आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
मंगलवार 01.04.2025
समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार, देहरादून, नैनीताल और ऊधमसिंह नगर में कई स्थानों के नाम बदलने की घोषणा की, 15 स्थानों के बदले जांएगे नाम।
- केंद्र सरकार ने पीएम पोषण योजना के तहत उत्तराखंड को बीस करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि जारी की।
- वरिष्ठ आईएएस अधिकारी आनंद बर्द्धन ने राज्य के नए मुख्य सचिव के रूप में कार्यभार संभाला।
- केंद्रीय सड़क एवं परिवहन राज्य मंत्री अजय टम्टा ने पिथौरागढ़ में बीआरओ और जिले के विभिन्न अधिकारियों के साथ केंद्र और राज्य सरकार की विकास योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये।

नाम परिवर्तन घोषणा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के चार जिलों– हरिद्वार, देहरादून, नैनीताल और उधमसिंह नगर में कई स्थानों के नाम बदलने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय जनभावनाओं और भारतीय संस्कृ ति व विरासत के अनुरूप लिया गया है, ताकि लोग उन महापुरुषों से प्रेरणा ले सकें, जिन्होंने देश और समाज के लिए योगदान दिया।

मुख्यमंत्री धामी ने बताया कि हरिद्वार जिले में अब औरंगजेबपुर को शिवाजी नगर, गाजीवाली को आर्य नगर, चांदपुर को ज्योतिबा फुले नगर और मोहम्मदपुर जट को मोहनपुर जट नाम से जाना जाएगा। साथ ही खानपुर कुर्सली को अंबेडकर नगर, इंदरीशपुर को नंदपुर, खानपुर को श्री कृष्णपुर और अकबरपुर फाजलपुर को विजयनगर के नाम से जाना जाएगा। देहरादून जिले में मियांवाला का नाम रामजी वाला, पीरवाला का नाम केसरी नगर, चांदपुर खुर्द का नाम पृथ्वीराज नगर और अब्दुल्ला नगर का नाम दक्ष नगर किया जाएगा। नैनीताल जिले में नवाबी रोड का नाम अब अटल मार्ग होगा और पनचक्की से आईटीआई तक के मार्ग को गुरु गोवलकर मार्ग के नाम से जाना जाएगा। उधमसिंह नगर में नगर पंचायत सुल्तानपुर पट्टी का नाम अब कौशल्या पुरी किया जाएगा।

धनराशि जारी

केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (पीएम पोषण) योजना के तहत उत्तराखंड को बीस करोड़ 66 लाख रुपए की धनराशि जारी की है। इस बजट से राज्य के सरकारी विद्यालयों की रसोइयों का आधुनिकीकरण किया जाएगा ताकि बच्चों को ताजा और पौष्टिक मध्याह्न भोजन मिल सके।

विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि इस धनराशि से प्रदेश के 292 विद्यालयों में नए किचन कम स्टोर बनाए जाएंगे। साथ ही साढ़े आठ हजार से अधिक विद्यालयों की क्षतिग्रस्त रसोइयों की मरम्मत की जाएगी और 772 विद्यालयों में रसोई से जुड़े उपकरण बदले जाएंगे। उन्होंने कहा कि लगभग चार वर्ष बाद इस योजना के लिए केंद्र से बजट मिला है, जिससे स्कूलों की रसोइयों में व्यापक सुधार हो सकेगा।

डॉ. रावत ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया अभियान के तहत इस साल प्रदेश में छह ईट राइट किचन भी स्थापित किए जाएंगे। ये किचन पूरी तरह स्वच्छ और हाईजिनिक होंगे, जहां बच्चों को पौष्टिक ईट राइट थाली परोसी जाएगी। इसका प्रस्ताव जल्द ही केंद्र सरकार को भेजा जाएगा।

बैठक–वनाग्नि

फायर सीजन के मद्देनजर अल्मोड़ा के मानसखंड विज्ञान केंद्र में, जंगलों में आग लगने के कारणों और रोकथाम पर वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों की बैठक आयोजित की गई। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) उत्तराखंड के महानिदेशक डॉ. दुर्गेश पंत, बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान डॉक्टर पंत ने अल्मोड़ा जिले में स्याही देवी मॉडल को फायर सीजन में अपनाने के निर्देश दिए और कहा कि यह मॉडल पूरे राज्य के लिए प्रेरणादायक बन चुका है।

वनाग्नि के दुष्प्रभावों को रेखांकित करते हुए डॉ. पंत ने कहा कि जब तक विज्ञान, तकनीक प्रयोगशालाओं से जमीनी स्तर तक नहीं पहुंचती, तब तक उनका पूरा लाभ नहीं मिल सकता।

दुर्घटना

टिहरी जिले के चंबा कोटी मोटर मार्ग पर जाख तिराहे के पास कल शाम एक कार के गहरी खाई गिरने से उसमें सवार तीन लोगों की मौके पर ही मृत्यु हो गई। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन, पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर शवों को खाई से बाहर निकाला।

मुख्य सचिव–कार्यभार ग्रहण

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी आनंद बर्द्धन ने राज्य के नए मुख्य सचिव के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने आजीविका, जल संरक्षण, स्वास्थ्य, रिवर्स पलायन और वित्तीय संसाधनों को बढ़ाना अपनी प्राथमिकताओं में बताया।

श्री बर्द्धन 1992 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और उन्हें उत्तर प्रदेश कैडर आवंटित हुआ था। अपने लंबे प्रशासनिक करियर में उन्होंने रामपुर, इटावा, पौड़ी, नैनीताल और हरिद्वार जैसे जिलों में जिलाधिकारी के रूप में कार्य किया है। वह कई अहम विभागों में सचिव और प्रमुख सचिव भी रह चुके हैं।

2010 में हरिद्वार कुंभ मेले के दौरान वह मेला अधिकारी भी रहे। इसके अलावा वह राज्यपाल सचिवालय, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, सिंचाई, खनन, उच्च शिक्षा, आबकारी, योजना और ग्रामीण विकास जैसे विभागों की जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

समीक्षा

केंद्रीय सड़क एवं परिवहन राज्य मंत्री अजय टम्टा पिथौरागढ़ के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। उन्होंने कलेक्ट्रेट सभागार में बीआरओ और जिले के विभिन्न अधिकारियों के साथ केंद्र और राज्य सरकार की विकास योजनाओं की समीक्षा की।

बैठक में श्री टम्टा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकार की योजनाएं समय पर और गुणवत्ता के साथ आम जनता तक पहुंचाई जाएं। उन्होंने धारचूला से लिपुलेख तक सड़क चौड़ीकरण के दौरान भूमि अधिग्रहण और मुआवजे से जुड़ी समस्याओं को गंभीरता से सुना और बीआरओ, मंत्रालय तथा जिला प्रशासन को जल्द समाधान करने को कहा। केंद्रीय राज्य मंत्री टम्टा ने बताया कि सरकार लिपुलेख बॉर्डर तक सड़क को जल्द टू लेन बनाना चाहती है, और इसके लिए सभी संबंधित विभागों को प्राथमिकता के आधार पर समस्याएं दूर करने के निर्देश दिए गए हैं।

यूपीएस लागू

केंद्र सरकार की एकीकृत पेंशन योजना–यूपीएस आज से लागू हो रही है। सरकार ने यूपीएस को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया है। पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण ने हाल ही में यूपीएस के संचालन के लिए नियम अधिसूचित किए थे। इस योजना से केंद्र सरकार के लगभग 23 लाख कर्मचारी लाभान्वित होंगे।

एक नजर आज के समाचार पत्रों की सुर्खियों पर––

देहरादून और हरिद्वार के लक्सर में कुट्टू का आटा खाने से कई लोगों के बीमार होने की ख़बर को सभी समाचार पत्रों की प्रमुखता से प्रकाशित किया है। दैनिक जागरण इस सामचार पर लिखता है– दून और हरिद्वार में कूट्टू के आटे के व्यंजन खाने से 363 बीमार। सहारनपुर से मंगवाया गया था आटा, 29 दुकानों पर छापा, तीन व्यापारी गिरफ्तार।

मिंयावाला हुआ रामजीवाला और औरंगजेबपुर बना शिवाजीनगर। इस शीर्षक के साथ हिंदुस्तान समाचार पत्र की ख़बर है– मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के 15 स्थानों का नाम बदलने की घोषणा की है।

मौसम विभाग ने इस वर्ष तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान जताया है। इस ख़बर पर अमर उजाला लिखता है– दोगुने होंगे लू के थपेड़े, अप्रैल–जून में सामान्य से अधिक गर्मी। इसी ख़बर पर राष्ट्रीय सहारा सामाचार पत्र मौसम विभाग के हवाले से लिखता है– अधिकांश क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक रहने की आशंका।

शिक्षा से संबंधित एक ख़बर पर दैनिक जागरण लिखता है– स्कूलों में एन.सी.ई.आर.टी की किताबें अनिवार्य, पर बाजार में उपलब्ध नहीं। नया सत्र आज से शुरू, एनसीईआरटी की किताबों के लिये भटक रहे अभिभावक।